

2. यतः उपर्युक्त संस्था ने उपर्युक्त प्रधिनियम के अधीन पंजीकरण के लिए अपने तारीख 26 अक्टूबर, 1985 के आवेदनपत्र के तहत केवलमात्र साउथ इण्डियन बैंक लिमिटेड, सिकन्दराबाद, आनंद प्रदेश, में खाता सं. 175 के जरिए ही विदेशी अभिवाय स्वीकार करने की सहमति दी थी ;

3. यतः उपर्युक्त संस्था ने निर्दिष्ट बैंक खाते से इतर बैंक खातों के जरिए विदेशी अभिवाय स्वीकार किया है;

4. यतः उपर्युक्त संस्था ने विदेशी अभिवायों को प्राप्त करने और उनका उपयोग करने के लिए अनेह भैंच खाते भी रखे हुए हैं, और इन प्रत्यार इन्हें विदेशी अभिवाय (विनियमन) नियम 1976 के नियम 8(1) के साथ पठित विदेशी अभिवाय (विनियमन) प्रधिनियम, 1976 की धारा 6(1) के उपबंधों का उल्लंघन किया है;

5. यतः अब, केन्द्रीय सरकार, विदेशी अभिवाय (विनियमन) प्रधिनियम, 1976 की धारा 6 की उपधारा (1) के परन्तुक हारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नलगोड़ा शायोसिस सोसायटी, विशापूस हाउस, राष्ट्रपति रोड, नलगोड़ा, आनंद प्रदेश (इसकी शाखाओं और इकाइयों समेत) से यह अपेक्षा करती है कि अबसे आगे कोई विदेशी अभिवाय स्वीकार करने से पहले वह केन्द्रीय सरकार की अनुमति प्राप्त करेगी ।

[सं. II. 21022/8(24)/88-एफसीआरए-1]

इन्दिरा मिश्र, संयुक्त सचिव

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 8th August, 1988

#### NOTIFICATION

S.O. 819(E) :—Whereas the Nalgonda Diocese Society, Bishop's House Rashtrapathi Road, Nalgonda, Andhra Pradesh, was registered under section 6(1) of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 (49 of 1976) vide Registration No. 010300012;

2. Whereas the above-said association had agreed to accept foreign contribution only through Account No. 175 in the South Indian Bank Ltd., Secundrabad, Andhra Pradesh vide its application dated 26th October, 1985 for registration under the above-said Act;

3. Whereas the above-said association has received foreign contribution through the Bank Accounts other than the specified bank account.

4. Whereas the above-said association has also been maintaining several bank accounts for receipt and utilisation of foreign contributions, thus violating the provisions of section 6 (1) of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976 read with Rule 8 (1) of the Foreign Contribution (Regulation) Rules, 1976.

5. Now, therefore, the Central Government, in exercise of the powers conferred by proviso to sub-section (1) of section 6 of the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976, requires the Nalgonda Diocese Society, Bishop's House, Rashtrapathi Road, Nalgonda, Andhra Pradesh (including its branches and units) to obtain prior permission of the Central Government before acceptance of any foreign contribution henceforth.

[No. II. 21022/8 (24) |88-FCRA. I]

INDIRA MISRA, Lt. Secy.



HB 11/5184



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 442]

नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, मित्तम्बर 1, 1988/ अस्विम 10, 1910

No. 442]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 1, 1988/ASVINA 10, 1910

इस भाग में भिन्न वृक्ष संस्थाएँ वी जाती हैं जिससे कि यह अस्वास संकलन के रूप में  
रक्षा का तरक

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

प्रेट्रोनियम एवं प्राकृतिक गेस मंडाल्य

नई दिल्ली, 1 मित्तम्बर, 1988

प्रधिकारनाम

का. आ. 520 (प्र.)—पत्र. प्रेट्रोनियम और अनिज पाठ्य लाइन (भूमि में उपर्याग के अधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अंतीन सारकार के प्रेट्रोनियम एवं प्राकृतिक गेस अधिकृतवाला आ.व. 852 (ई) तारीख 1-7-88 द्वारा केंद्रीय सरकार द्वारा अधिकृतवाला में नवान अनुदूषी ने विनियिट मुदियों के उपर्योग के अधिकार का लाइन लाइनों को लियाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

ग्रौर यन्त्र मन्त्री प्राकृतिक गेस अधिकृतवाला की धारा 6 की उपधारा (1) के अंतीन सारकार को रिपोर्ट देती है।

ग्रौर यन्त्र मन्त्री, केंद्रीय सरकार द्वारा उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिकृतवाला में भूमि अनुदूषी में विनियिट मुदियों में उपर्याग का अधिकार अर्जित करने का विनियोग किया है।

ग्रौर यन्त्र, उक्त अधिकृतवाला की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अविन का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार द्वारा घोषित करती है कि इस अधिकृतवाला में संतुल ग्रन्तिमान में विनियिट उक्त अदियों में उपर्याग का अधिकार अर्जित किया जाता है।